<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025-26

अंक-योजना

हिंदी 'ब' विषय कोड - 085

प्रश्न-पत्र कोड-- 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के उचित आकलन के लिए उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति / दस्तावेज को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र / वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।

3. अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को और उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही (√) और गलत उत्तर पर गलत (×) का निशान लगाएँ। परीक्षक द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. **यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर अंत में दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

7. **यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।**

8. **यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न / प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें / उन्हीं पर अंक दें।**

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. **प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)**

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में होती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक या कम अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का मुख पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- मुख पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर-पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंक-सूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. परीक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, मुख पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांक को अंकों और शब्दों में लिखा जाए।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों / समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाए।

Series: MK1LN **प्रश्न-पत्र कोड 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3**

अंक योजना

निर्धारित समय : 3 घंटे **हिंदी 'ब'(085)** अधिकतम अंक : 80

प्रश्न सं.	4/1/1	4/1/2	4/1/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**(14)**
1	1	2	1	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(C) स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति उदासीनता दिखाने लगते हैं।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) (I) और (III) सही हैं।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1
				वस्तुपरक-	
	(iv)	(iv)	(iv)	• लू से अभिप्राय- गरमियों में चलने वाली गर्म और शुष्क हवा कारण- • शरीर का तापमान संतुलित रहे • मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बना रहे (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(v)	(v)	(v)	• राष्ट्रीय क्षमताओं को मज़बूत करना (कार्बन उत्सर्जन एवं प्रदूषण आदि पर नियंत्रण) • घर और उसके आस-पास हरे-भरे क्षेत्रों को बढ़ावा देना	2
2	2	1	2	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(C) कष्टों के बाद ही सुख का अनुभव होता है।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) I (ii), II (i), III (iii)	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) जीवन निखारने के लिए कष्टों का महत्त्व समझाने हेतु	1
				वस्तुपरक-	
	(iv)	(iv)	(iv)	• जीवन में कष्टों को स्वीकार करते हुए खुश रहना और सफल होना	2
	(v)	(v)	(v)	• जीवन में सुख और दुख दोनों का समान महत्त्व • सफलता के साथ असफलता को भी सहज रूप से स्वीकार करना	2

				खंड – ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	**(16)**
3	**3**	**3**	**3**	**'पदबंध'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	मेहनती और हँसमुख लड़का - संज्ञा पदबंध मेहनती और हँसमुख - विशेषण पदबंध (कोई एक उत्तर स्वीकार्य)	½+½
	(ii)	-	-	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	(iii)	-	-	बहुत-सा बाल और प्रौढ़ / बाल और प्रौढ़	1
	(iv)	-	-	उदाहरण- शोर मचाने वाले तुम शांत क्यों हो ? (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1
	(v)	-	-	पहचान-क्रिया पदों का समूह, शीर्ष पद - क्रिया उदाहरण : बच्चे नाच-गा रहे हैं।	½+½
	-	(i)	-	आधी बाँह की सफ़ेद कमीज़ - संज्ञा पदबंध आधी बाँह की सफ़ेद - विशेषण पदबंध पहने था- क्रिया पदबंध (कोई भी एक उत्तर स्वीकार्य)	1
	-	(ii)	-	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	-	(iii)	-	ईमानदार और मेहनती	1
	-	(iv)	-	उदाहरण – वह **दौड़ता चला गया।** (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1
	-	(v)	-	पहचान : शीर्ष पद - सर्वनाम विस्तार - अन्य पद उदाहरण : **दूसरों की सहायता करने वाला वह** चला गया। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½ +½
	-	-	(i)	भूरे रंग का पुराना जूता- संज्ञा पदबंध भूरे रंग का पुराना - विशेषण पदबंध पहने था – क्रिया पदबंध (कोई भी एक उत्तर स्वीकार्य)	½ +½
	-	-	(ii)	क्रियाविशेषण पदबंध	1
	-	-	(iii)	बड़ी कोमल और मीठी	1
	-	-	(iv)	पहचान : शीर्ष पद - सर्वनाम विस्तार - अन्य पद उदाहरण : **दूसरों की सहायता करने वाला वह** चला गया। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½ +½
	-	-	(v)	क्रिया पदबंध	1

4	**4**	**4**	**4**	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	संयुक्त वाक्य	1
	(ii)	-	-	मिश्र वाक्य : नगर का जो एक ऊँचा स्तंभ था, उस पर राजकुमार की प्रतिमा थी। या राजकुमार की जो प्रतिमा थी, वह नगर के एक ऊँचे स्तंभ पर थी।	1
	(iii)	-	-	स्वच्छ पानी को लेकर बहने वाली नदियाँ आज सूख रही हैं।	1
	(iv)	-	-	संयुक्त वाक्य: दिनभर गौरैया उड़ी और रात को नगर के समीप पहुँची।	1
	(v)	-	-	एक उद्देश्य और एक विधेय / एक या एक से अधिक कर्ता और एक मुख्य क्रिया उदाहरण : गाँव में एक ठाकुरबारी थी। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(i)	-	सरल वाक्य	1
	-	(ii)	-	मिश्र वाक्य: नगर के जो लोग थे, वे राजकुमार की प्रतिमा की तारीफ करते थे। या राजकुमार की जो प्रतिमा थी, नगर के लोग उसकी तारीफ करते थे।	1
	-	(iii)	-	सरल वाक्य: पेड़ों की टहनियाँ बचाव के लिए पुकारते उसके हजारों हाथ हैं।	1
	-	(iv)	-	संयुक्त वाक्य में दो या दो अधिक स्वतंत्र उपवाक्य किसी योजक (और, परंतु, इसलिए, अथवा आदि) से परस्पर जुड़े रहते हैं। उदाहरण : कक्षा से एक अध्यापिका गईं और दूसरी आ गईं। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(v)	-	संयुक्त वाक्य: वह नदी पर से गुजरा / गुजर रहा था और उसने जहाज के शिखरों पर लटकते हुए आकाशदीप देखे।	1
	-	-	(i)	संयुक्त वाक्य	1
	-	-	(ii)	मिश्र वाक्य : तलवार की जो मूठ थी उसमें एक बड़ा-सा लाल जड़ा था।	1
	-	-	(iii)	सरल वाक्य: हवा चलने पर / चलते ही पेड़ प्रसन्न होकर झूमने लगते हैं।	1
	-	-	(iv)	पहचान- मिश्र वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य होता है, शेष आश्रित उपवाक्य। प्रधान और आश्रित उपवाक्य 'कि, जो, जैसा, जब, जितना, यद्यपि आदि योजक शब्दों से जुड़े रहते हैं। उदाहरण : यदि परिश्रम करोगे तो सफल होगे। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(v)	संयुक्त वाक्य: वह टूटे-फूटे मकान के समीप पहुँचा और उसने भीतर की ओर झाँका।	1
5	**5**	**5**	**5**	**'समास'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	समस्तपद के पदों को अलग करने की प्रक्रिया उदाहरण : समस्तपद - रोगमुक्त, समास विग्रह - रोग से मुक्त	½+½

				(अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	
	(ii)	-	-	स्थिति के अनुसार - अव्ययीभाव समास	½+½
	(iii)	-	-	उत्तरपद (तट) प्रधान और पूर्व पद (गंगा) गौण, कारक चिह्न (का) का लोप	1
	(iv)	-	-	महान है आत्मा जिसकी अर्थात व्यक्ति विशेष	1
	(v)	-	-	सप्तर्षि	1
	-	(i)	-	समस्त पद- पूर्व पद और उत्तर पद के मेल से बने नये शब्द उदाहरण: रेखा से अंकित - रेखांकित (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(ii)	-	जितना शीघ्र हो सके- अव्ययीभाव समास	½+½
	-	(iii)	-	उत्तरपद (घर) प्रधान और पूर्व पद (रसोई) गौण, कारक चिह्न (के लिए) का लोप विग्रह - रसोई के लिए घर	1
	-	(iv)	-	नीला है कंठ जिसका (शिव)	1
	-	(v)	-	हथघड़ी / हाथघड़ी	1
	-	-	(i)	अव्ययीभाव समास की पहचान- पूर्व पद अव्यय और प्रमुख उदाहरण- आजीवन (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(ii)	विद्या से हीन, भेद-तत्पुरुष समास	½+½
	-	-	(iii)	'सतसई' पद में पूर्व पद 'सत' (सात) संख्यावाची	1
	-	-	(iv)	पीत (पीला) है जो अंबर	1
	-	-	(v)	छात्रावास	1
6	**6**	**6**	**6**	**'मुहावरे'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	पाँव जमीन पर न पड़ना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1
	(ii)	-	-	गाँठ बाँधना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1
	(iii)	-	-	सुध-बुध खोना (उचित वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	(iv)	-	-	घड़ों पानी पड़ना / जमीन में गड़ जाना (अन्य उचित मुहावरे भी स्वीकार्य)	1
	(v)	-	-	जमीन आसमान का अंतर - बहुत अधिक अंतर उन्नीस-बीस का अंतर - बहुत कम अंतर (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	(i)	-	सिर आँखों पर बैठाना / पलकों पर बैठाना (अन्य उचित मुहावरे भी स्वीकार्य)	1

	-	(ii)	-	नौ दो ग्यारह होना / रफूचक्कर होना / चंपत होना / गदगद होना (अन्य उचित मुहावरे भी स्वीकार्य)	1
	-	(iii)	-	लकीर का फकीर होना (उचित अर्थपूर्ण वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	(iv)	-	होश आना / आँखों से परदा हटना (अन्य उचित मुहावरे भी स्वीकार्य)	1
	-	(v)	-	अक्ल पर पत्थर पड़ना- कुछ समझ न आना अक्ल के घोड़े दौड़ाना – समझदारी से काम लेना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	-	(i)	हाथ-पाँव फूल जाना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(ii)	घाव / जले पर नमक छिड़कना (प्रश्न पत्र में वर्तनीगत अशुद्धि) (नोट – यदि विद्यार्थी 'छिड़कने' के संदर्भ में 'झिड़कने' शब्द का प्रयोग करें, तो अंक दिए जाएँ)	1
	-	-	(iii)	डेरा डालना (उपयुक्त अर्थपूर्ण वाक्य-प्रयोग पर अंक दिया जाए)	½+ ½
	-	-	(iv)	धूल चटाना / छक्के छुड़ाना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(v)	अक्ल का अंधा- मूर्ख होना अक्ल चरने जाना- समय पर बुद्धि का प्रयोग न कर पाना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+ ½
				खंड – ग **(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)**	**(28)**
7	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	8 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	10 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (B) उसके पकड़ में न आने के कारण (B) (II) और (IV) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (B) रहस्य (C) उसके माध्यम से अवध पर कब्ज़ा जमाना चाहते थे।	**5 x 1 = 5**

8	**8**	7	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) –	**(3x2 = 6)**
	(i)	-	-	• 'बड़े भाई साहब' पाठ में भाई साहब को जिस प्रकार अंग्रेजी पढ़ना कठिन और बोझिल लगता था वैसे ही मुझे (विषय का नाम)... • कोई दो कारण (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+1
	(ii)	-	-	क्या- • कानूनी धाराओं के अंतर्गत मोनुमेंट के नीचे सभा आयोजित करने की मनाही • इस सभा में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों को दोषी समझा जाना उद्देश्य- • देश वासियों को अंग्रेज सरकार के विरूद्ध एकत्रित होने से रोकना	1+1
	(iii)	-	-	• हाँ / नहीं (उचित कारण के साथ तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2
	(iv)	-	-	• फिल्म की असफलता के खतरों से आगाह किया। विशेषता- • सच्चे और हितैषी मित्र • अनुभवी एवं व्यावसायिक सूझ-बूझ से पूर्ण (किसी एक विशेषता का उल्लेख अपेक्षित)	1+1
	-	(i)	-	बड़े भाई साहब की चारित्रिक विशेषताएँ- • कर्त्तव्यनिष्ठ, अध्ययनशील, अनुशासन प्रिय, परिश्रमी, आदर्शवादी (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य)	1+1
	-	(ii)	-	• अंग्रेजों के अत्याचार और हिंसा के बावजूद सभा का आयोजन, ध्वजारोहण और प्रतिज्ञा का पढ़ा जाना आदि • महिलाओं का भी लाठी चार्ज सहना और गिरफ्तार होना (पाठ में वर्णित अन्य घटनाओं का उल्लेख भी स्वीकार्य)	2

	-	(iii)	-	वर्तमान भारत में इस स्थिति में सुधार- ● कानूनी दृष्टि से मान्य ● प्रगतिशील विचार ● जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता	2
	-	(iv)	-	राजकपूर द्वारा फिल्म को स्वीकारने के कारण- ● सच्चा और हितैषी मित्र होना ● फिल्म की कहानी पसंद आना ● कहानी के नायक को परदे पर जीवंत करना (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य उचित तर्क भी स्वीकार्य)	2
	-	-	(i)	व्यावहारिक बुद्धि और अनुभव का प्रयोग - ● घर संचालन में ● सीमित आर्थिक संसाधनों में पूरे परिवार का भरण-पोषण ● आपातकाल में धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता (पाठ से संबंधित उदाहरणों का उल्लेख अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)	नोटिस - ● मोनुमेंट के नीचे चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराना ● स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ना ● सर्वसाधारण की उपस्थिति अनिवार्य (कोई एक बिंदु अपेक्षित) उद्देश्य- ● बंगाल द्वारा प्रथम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपेक्षाकृत कम भागीदारी के कलंक को मिटाना ● अंग्रेज सरकार के प्रति विरोध जताना	1+1
	-	-	(iii)	उद्देश्य - ● साधन से अधिक भाव और कर्म का महत्त्व होना ● रूढ़ियों को तोड़कर सामाजिक परिवर्तन लाने का प्रयास करना ● अंडमान और निकोबार द्वीपों की वर्तमान भौगोलिक स्थिति के विषय में लोक-विश्वास को बताना	2

	-	-	(iv)	शैलेंद्र की चारित्रिक विशेषताएँ- • आदर्शवादी एवं भाव-प्रवण कवि • कला के प्रति समर्पण एवं दायित्व बोध • अपने सृजन पर विश्वास • समझौता न करने की प्रवृत्ति (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
9	**9** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**10** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**8** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) उनके दर्शनों का लाभ उठाना चाहती है। (B) दर्शन, स्मरण और भक्ति का (A) कृष्ण का गुणगान करते हुए धेनु चराना (B) नाम- स्मरण (B) केवल (III) सही है। अथवा (D) (III) और (IV) सही हैं। (नोट- दोनों विकल्पों में से किसी एक विकल्प पर अंक दिए जाएँ)	**5 x 1 = 5**
10	**10**	9	9	**'काव्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) –	**(3x2 =6)**
	(i)	(i)	(i)	• कबीर के अनुसार ज्ञान प्राप्ति ही सच्चा सुख और अज्ञानता से बड़ा कोई दुख नहीं • सामान्य मनुष्य द्वारा भौतिक संपदा, खाने और सोने जैसे निजी स्वार्थों की पूर्ति में ही सुख तलाशना	2
	(ii)	(ii)	(ii)	• मृत्यु निश्चित ही है तो उससे भयभीत क्यों होना • मृत्यु के पश्चात भी मानवता और परोपकार से मनुष्य की कीर्ति बने रहना	2
	(iii)	(iii)	(iii)	• 'पर्वत प्रदेश में पावस' • रंग- बिरंगे पुष्प, दर्पण-से ताल में अपने महाकार को देखते विशाल पर्वत, मोती की लड़ियों-से झरते सुंदर झरने, आकाश को छूते ऊँचे वृक्ष	1+1
	(iv)	(iv)	(iv)	• जागरूक और सचेत रहकर अपनी विरासत को संभालना • स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से सीख लेकर मातृभूमि की रक्षा करने का भाव	2

11	**11**	**11**	**7**	पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में अपेक्षित -	**(2x3 =6)**
	(i)	(i)	(i)	● पारिवारिक जीवन में परस्पर प्रेम, करुणा और सहानुभूति का अभाव ● रिश्तों से अधिक धन को महत्त्व देना ● जमीन के लालच में सेवा का दिखावा और न मिलने पर हरिहर काका की उपेक्षा और दुर्व्यवहार	3
	(ii)	(ii)	(ii)	हाँ, ● भावुक, संवेदनशील और भेदभाव से रहित ● उम्र के बंधन से मुक्त प्रेम की भाषा समझना ● प्रेम, मित्रता, अकेलापन, डर, ईर्ष्या, विद्रोह के भाव (नोट – बाल-मनोविज्ञान के उपर्युक्त बिंदुओं पर आधारित विद्यार्थियों के तर्कपूर्ण उत्तर स्वीकार्य)	1+2
	(iii)	(iii)	(iii)	दृष्टिकोण- ● शिक्षा के प्रति उदासीन कारण – ● विद्यालयी शिक्षा - समय और धन की बर्बादी ● व्यापारिक पृष्ठभूमि	1+2
				खंड - घ **(रचनात्मक लेखन)**	**(22)**
12	12	15	12	किसी **एक** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन : ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक	**1 x 5 = 5**
13	13	14	14	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में औपचारिक पत्र लेखन: ● आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ – 1 अंक ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 5 = 5**

14	**14**	**13**	13	किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन: ● विषय-वस्तु – 2 अंक ● प्रारूप – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 4 = 4**
15	**15**	**12**	**16**	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन : ● विषय-वस्तु – 1 अंक ● प्रस्तुति – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 3 = 3**
16	**16**	**16**	**15**	लघुकथा लेखन **अथवा** ई-मेल लेखन : लघुकथा लेखन (लगभग 100 शब्दों में) – ● मौलिक विषय-वस्तु – 3 अंक ● भाषा – 1 अंक ● प्रभाव – 1 अंक **अथवा** ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्दों में) - ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● प्रारूप – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	**1 x 5 = 5**